

क्रिकेट की स्थापना हुई है मेरे हिंदुस्तान में, पहला खेल खेला था जमना तट पर नंदलाल ने : सत्तन

कैलादेवी मंदिर परिसर में देर रात तक चला अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

भास्करसंवाददाता | देवास

श्रोताओं की वाह वाह और तालियों की गूंज के बीच कैलादेवी मंदिर में देर रात तक चले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ने अनूठी छाप छोड़ी। जब कवि सम्मेलन के संचालक कवियों के गुरु सत्यनारायण सत्तन ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपनी राष्ट्र भक्ति की रचनाओं का पाठ सुनाया... कि आ गया है वक्त जागते रहो ना सोइये, हमलावरों के रक्त से अपने शस्त्र को धोइये। मां

हिन्दी शब्द और लव अंग्रेजी है माता के प्रेम की भावना का नाम है मालव है। कृष्ण ने जीवन जीना और खेल खेलना भी सिखाया है।

क्रिकेट की स्थापना हुई मेरे हिंदुस्तान में, पहला खेल खेला था जमना तट पर नंदलाल ने। राष्ट्र भक्ति और धर्म भक्ति की रचनाओं का पाठ किया। लखनऊ के कवि वेदव्रत वाजपेई ने कहा कि आखिर कब तक देश जलेगा उग्रवाद की भट्टी में। हमको पूरी दुनिया करना है अपनी मुट्ठी में। अभी तिरंगे के रंगों का ठीक

से उड़ाना बाकी है। कटे-फटे मान चित्र का पूरा जुड़ना बाकी है। देवास के राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास ने अपना रचना पाठ सुनाया कि यह धरती है सनातनी की, नहीं जरूरत तनातनी की। गुजरात भुज से की कवियत्रि मोनिका हठीला ने सरस्वती वंदना के साथ प्रेरक रचनाएं सुनाई। चेतन उपाध्याय ने चुटीली रचनाओं के साथ संचालन किया। अतिथियों का स्वागत मन्नुलाल गर्ग, शंकरलाल अग्रवाल, समिति संयोजक रायसिंह सेंधव आदि ने किया।